सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवानी): (क) जबकि कोई विशिष्ट प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है, तो भी आकाशवाणी ने हाल ही में; अपने सहगान समूहों के माध्यम से, राष्ट्रवाद सम्बन्धी तथा अन्य सामाजिक विषयों पर आधारित देशभक्ति के गीतों के गायन को लोकप्रिय बनाने के लिए विशेष प्रयत्न किए हैं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) फिल्मों में भारतीय संस्कृति का निरूपण करने पर कोई रोक नहीं है।

सेंसर के लिए प्रस्तुत की जाने वाली सभी फिल्मों की, चलचित्र अधिनियम, 1952 के उपबन्धों तथा उनके अधीन बने नियमों और निर्देशों के अनुसार निर्धारित प्राधिकारी द्वारा जांच की जाती है और उन पर कार्रवाई की जाती है। फिल्म सेंसर बोर्ड को जारी किए गए निर्देशों के अनुसार, फिल्मों में, राष्ट्रीय मान्यताओं, परम्पराओं, रिवाजों और संस्कृति के अभद्र चित्रण को आपत्तिजनक माना जाता है।

Salt Industry in Gujarat

5105. SHRI ANANT DAVE: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether the salt industry in Gujarat State is facing very hard situation and due to rains crores of Rupees of salt washed away; and

(b) whether Government propose to help this industry?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) The Salt Commissioner has received a few representations recently to the effect that due to the heavy rains in District Surendranagar and Saurashtra areas of Gujarat, in June 1977 there has been some damage to the Salt Works and Storage of Salt. The Salt Commissioner is now assessing the damage.

(b) Government provide assistance, in shape of *ex-gratia* grants or loans to the licensed salt manufacturers whose salt works get damaged as a result of natural calamities like cyclones, floods and rains, to cover 75 per cent of such damage as assessed by the Salt Department. However, no assistance is provided to cover the loss due to salt washed away by rains.

Broadcast by Opposition Parties on Radio

5106. SHRI JAGDAMBI PRASAD YADAV: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) the basis on which Government have given an opportunity to the opposition parties for broadcast from radio and the nature of provision available in other democratic countries in this regard; and

(b) the criterion on which allocation of time for political parties would be made and the rules for allotting time to the independents, social organisations, Commercial Organisations, Educational Institutions, etc?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) For the recent elections to Legislative Assemblies etc., of some States/Union Territories, those political parties which had been recognised by the Election Commission of India were given equal opportunity to broadcast their view-points from All India Radio. The decision to that effect was taken after consultation with the Election Commission of India and the representatives of recognised parties.

The practice obtaining in other countries of the world is being ascertained and a statement in that regard would be made available later.

(b) For the recent elections to Legislative Assemblies etc., of some States/Union Territories, each entitled recognised political party was allotted half

an hour for broadcast from All India Radio in two spells of 15 minutes each. The order in which the various parties broadcast was determined by a draw of lots under the supervision of the Chief Electoral Officer concerned. No time was allotted to independent candidates.

The question of allotting time to social organisations, commercial organisations, educational institutions etc., did not arise in the context mentioned above.

अमेरिकन-यूनिवर्सल कम्पनी, फरीदाबाद को आर्डर दिया जाना

5107. **श्री मनोहर लाल :** क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या एच० ए० एल० कानपुर के जनरल मैनेजर ने संजय गांधी के कहने पर अमेरिकन यूनिवर्सल कम्पनी फरीदाबाद को 8 लाख रुपये के आडर दिए थे ;

(ख) क्या स्कूटर्स इण्डिया (एक सरकारी उपक्रम) को दिया गया आर्डर केवल 3 लाख रुपए का था और नियमों का उल्लंघन करके 9 लाख रुपया अमेरिकन यूनिवर्सल कम्पनी फरीदाबाद को अग्रिम दिया गया ; और

(ग) क्या इस कम्पनी को जमानत की धनराशि जमा करवानी चाहिये थी ?

रक्षा मंत्री (श्री जगजीवन राम) : (क) हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड ने मार्च, 1977 में मैसर्स अमेरिकन यूनिवर्सल कम्पनी फरीदाबाद को औजारों तथा कुछ कल पुर्जों के निर्माण के लिए 732 लाख रुपए के आर्डर दिए थे । परन्तु यह अर्थ लगाने के कोई कारण नहीं हैं कि आर्डर श्री संजय गांधी के कहने पर दिया गया था ।

(ख) औजार तथा निर्मित कल पुर्जों के मैसर्स कूटर्स इण्डिया लिमिटेड के साथ चर्चाधीन प्रस्तावित आर्डर 927 लाख रुपए के थे । उन्हें इस लिए आर्डर नहीं दिया गया क्योंकि उनका मूल्य एवं माल देने की शत इतनी अनुकल नहीं थी जितनी मैसर्स अमेरिकन यूनिवर्सल कम्पनी की थीं । सामान्य प्रक्रिया के अनुसार मैसर्स अमेरिकन यूनिवर्सल कम्पनी को बैंक की गारन्टी पर एक लाख रुपए अग्रिम दिए गये थे ।

(ग) मैसर्स अमेरिकन यूनिवर्सल कम्पनी द्वारा बैंक की गारन्टी दे दिये जाने के कारण उससे जमानत के रूप में किसी प्रकार की रकम लेने का प्रश्न नहीं उठता ।

एच एस 748 यात्री विमान का निर्माण

5108. **श्री मनोहर लाल :** क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि कानपुर स्थित हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड में एच एस 748 यात्री विमान का निर्माण किन कारणों से बन्द किया जा रहा है जबकि समूचे देश में यात्री विमान कहीं भी नहीं बनाए जाते ?

रक्षा मंत्री (श्री जगजीवन राम) : इण्डियन एयरलाइंस अथवा किसी अन्य उपभोक्ता/ग्राहक से विमानों के आर्डर न मिलने के कारण हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड कानपुर में एच एस-748 यात्री विमान के निर्माण को निलम्बित कर दिया गया है ।

Enquiry instituted against Officers attached to Former Ministers

5109. SHRI MANOHAR LAL:
SHRI NATHUNI RAM:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether any enquiries are being instituted against Special Assistants/Additional Private Secretaries and other Gazetted Officers attached to